International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 10
October 2017

बसेरे से दूर

शुभाना श्री

बसेरे से दूर
किराये के माकन में
माकन के बरामदें में
मैं बैठा था
देख रहा था
बारिश हो रही है
तभी सहसा मेरी नजर
पड़ी एक पेड़ पर
पेड़ क्या था एक कंकाल
सुकें डालियों से निर्मित
उसी पेड़ पर
देख मैंने
बसेरे से दूर
भींग रही है
ठण्ड से ठिठुर रही है
तभी मेरी नजर बगल की डाली पे पड़ी
जहा थी उसकी घोसला उजारी पड़ी
शायद इसीलिए छोटी चिड़िया
भींग रही है
ठिठुर रही है
बसेरे से दूर ...